शिक्षा का अधिकार

प्रतिभागियों हेतु प्रशिक्षण मॉडयुल

अभिभावक भागीदारी की ओर SMC के बढ़ते कदम

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

'विद्यालय प्रबंधन समिति' प्रशिक्षण

सत्र (2018 - 19)

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

प्रतिभागियों हेतु प्रशिक्षण मॉडयुल

© राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली
जनवरी 2019
3200 प्रतियाँ

मुख्य सलाहकार	श्री संदीप कुमार, शिक्षा सचिव, दिल्ली सरकार श्री संजय गोयल , शिक्षा निदेशक, दिल्ली सरकार डॉ . सुनीता एस कौशिक, निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली श्रीमती रंजना देसवाल, राज्य परियोज़ना निदेशक, एस. एस. ए. , दिल्ली
मार्ग दर्शक	डॉ. नाहर सिंह, सयुंक्त निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली
समन्वयक एवं संपादक	रितिका डबास, वरिष्ठ प्रवक्ता, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली
परियोज़ना कार्यदल	डॉ. नाहर सिंह, सयुंक्त निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली रितिका डबास, वरिष्ठ प्रवक्ता ,एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली धीरज कुमार रॉय, प्रवक्ता, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली सलोनी जैन, सी, एम, आई , ई, फ़ेलो ,एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली शीतल सनवाल, साझा उर्वशी,साझा शौर्यदीप घोष (गाया स्टूडियो)
प्रूफ संशोधक	संजीव राज, प्रवक्ता, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली मनोज कुमार, प्रवक्ता, एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली
प्रकाशन अधिकारी	श्री मुकेश यादव
प्रकाशन मंडल	नवीन कुमार , राधा , जय भगवान

प्रकाशक : राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली–110024
मुद्रक : STAR FORMS

निदेशक की कलम से

यह बड़े हर्ष की बात है कि हर साल की तरह "राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद" (SCERT) विद्यालय प्रबंधन समिति" सदस्यों के प्रशिक्षण हेतु एस.एम.सी (SMC) पुस्तिका प्रकाशित कर रही है| इस प्रकाशन का उद्देश्य दिल्ली के सभी विद्यालयों की "विद्यालय प्रबंधन समिति" सदस्यों को RTE अधिनियम, 2009 के तहत एस.एम.सी के कर्तव्य और दायित्व से अवगत करवाना है|

जैसा कि हम जानते हैं एक बच्चे के विकास के लिए विद्यालय, अभिभावक और समाज का साथ काम करना ज़रुरी है, इन्ही को ध्यान में रखते हुए "शिक्षा का अधिकार" अधिनियम 2009 के तहत दिल्ली के सभी विद्यालयों में "विद्यालय प्रबंधन समिति" का गठन किया गया है| अब आवश्यक है कि विद्यालय स्तर पर यह समितियाँ प्रभावी रूप से गुणात्मक विकास के लिए कार्य करें, इसके लिए समिति का प्रशिक्षण परिषद द्वारा कराया जाता है| इन समितियों से अपेक्षा की जाती है कि विद्यालय स्तर पर शैक्षणिक और भौतिक रूप से आने वाली समस्याओं को हल करने के साथ -साथ, समुदाय में अन्य अभिभावकों में जागरुकता लाकर, समुदाय को विद्यालय से जोड़ने का कार्य भी करें|

इन्ही सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए समिति के सदस्यों के क्षमता संवर्धन हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला के लिए यह पुस्तिका तैयार की गयी है|

आशा है कि प्रशिक्षण हेतु यह पुस्तिका उपयोगी सिद्ध होगी और आने वाले समय में इन समितियों के योगदान से विद्यालय स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में प्रभावी सुधार देखने को मिलेगा| इस दिशा में प्रशंसनीय कार्य करने हेतु गैर सरकारी संस्था " साझा " एवं एस. सी. ई. आर. टी में श्री मती रितिका डबास एवं उनके कार्यदल को बधाई देती हूँ |

डॉ. सुनीता एस. कौशिक
निदेशक
एस. सी. ई. आर. टी, दिल्ली

आमुख

शिक्षा का अधिकार, अधिनियम 2009, भारतीय संविधान के 86वें संशोधन के तहत सामने आया और 1 अप्रैल, 2010 को लागू हुआ। अधिनियम के तहत प्रत्येक बच्चे को मुफ्त व् अनिवार्य शिक्षा पाने का अधिकार दिया गया है जो 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग में आता हो। इस आयु वर्ग के सभी बच्चों को अपने निवास स्थान के निकटतम विद्यालय में निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा पाने का अधिकार है। कोई भी विद्यालय बच्चे को दाखिले से इन्कार नहीं कर सकता। बच्चे को सरकारी विद्यालय में किसी भी तरह का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष शुल्क भी नहीं देना पड़ता है। अभिप्राय यह है कि जब तक बच्चे की प्रारंभिक शिक्षा पूरी नहीं हो जाती है तब तक सरकार बच्चे को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध करवाएगी।

निजी विद्यालयों के लिए भी इस अधिनियम के तहत दिशा-निर्देश है कि उन्हें कुल नामंकन के 25% ऐसे बच्चों का दाखिला बिना किसी शुल्क के अपने विद्यालय में करना होगा जो कि आर्थिक रुप से कमज़ोर वर्गों से हैं। साथ ही यह निर्देश भी है कि निजी विद्यालय बिना किसी तरह के शुल्क के इन बच्चों को वे सभी सुविधाएँ उपलब्ध करवाएंगे जो शुल्क देने वाले बच्चे ले रहे होंगे।

अतः इस अधिनियम में इस तरह की व्यवस्था को कायम करने व् विधिवत क्रियान्वित करने के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति हो जिसमें विद्यालय, अभिभावक और समाज की प्रत्यक्ष भागीदारी हो ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत उक्त आयु वर्ग के सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध हो भी रही है या नहीं? इसी के दृष्टिगत इस अधिनियम में माता-पिता, अभिभावक एवं शिक्षक, शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत सामाजिक कार्यकर्ता , जनप्रतिनिधि आदि की आवश्यक भागीदारी से प्रत्येक विद्यालय में विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन का प्रावधान रखा गया है।

विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन विद्यालय में विकास की योजनाएँ बनाने के साथ-साथ सामाजिक सहयोग, जनभागीदारी एवं लोक सशक्तिकरण के लिए प्रभावी कदम है क्योंकि जनभागीदारी के बिना शिक्षा का अधिकार अधिनियम के उद्देश्यों की प्राप्ति नहीं की जा सकती। इसलिए शिक्षा के मौलिक अधिकार के अधिनयम में सामुदायिक सहभागिता की अनिवार्यता को ज़ोरदार ढंग से रखा गया है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों की प्रभावी भूमिका हेतु प्रशिक्षण के लिए यह पुस्तिका तैयार की गयी है। जिसमें विद्यालय प्रबंधन समिति से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे विद्यालय प्रबंधन समिति की शिक्षा के अधिकार में आवश्यकता, विद्यालय विकास योजना, विद्यालय में आपसी सहयोग और अभिभावक भागीदारी बढ़ाने के विभिन्न तरीकों आदि पर रोचक व् प्रभावी क्रियाकलापों के माध्यम से विस्तृत चर्चा की गयी है।

इस कार्य के सृजन में परिषद् के शिक्षाविदों और गैर-सरकारी संस्था "साझा" का विशेष रूप से आभार प्रकट करना चाहूँगा जिनके प्रयासों के बिना इस दस्तावेज़ को पूरा नहीं किया जा सकता। आशा है कि यह दस्तावेज़ "विद्यालय प्रबंधन समिति" के सदस्यों के क्षमता संवर्धन में सहायक सिद्ध होगा।

शुभकामनाओं सहित
डॉ. नाहर सिंह
संयुक्त - निदेशक
एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

परिचय

नि: शुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2009 (आरटीई) के अनुच्छेद 21, सभी स्कूलों और देश के विशेष श्रेणी के स्कूलों में स्कूल प्रबंधन समितियों (एसएमसी) के गठन का निर्देश है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम स्कूल के कामकाज में माता-पिता की सक्रिय भागीदारी के साथ प्रशासन के एक विकेन्द्रीकृत मॉडल की मूल इकाई के रूप में एसएमसी की कल्पना करता है।

SMC के सदस्यों की क्षमता विकास हेतु यह पुस्तिका तैयार की गयी है ताकि समिति के सदस्य विद्यालय के विकास में अपना सहयोग दे सके| यह पुस्तिका तैयार करने के लिए एक प्रक्रिया बनाई गयी है जिसके तहत i) अपेक्षाओं का मूल्यांकन ii) परिणामों का परिचित्रण iii) विषय-वस्तु (सत्रों) की रचना iv) प्रोटोटाइप v) पुनरीक्षण आता है |

प्रक्रिया को शुरुआत करने के लिए सबसे पहले एसएमसी सदस्यों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का मूल्यांकन किया और इसके तहत एसएसएमसी से जुड़े पदधारकों के साथ समूह चर्चा कर एक प्रश्नवाली तैयार की गयी थी| इस प्रश्नवाली को एस एस ए (SSA) में कार्यरत सीआरसीसी (CRCC) ने दिल्ली के 216 स्कूलों के 6-6 एसएमसी सदस्यों(1 प्रधानाचार्य, 1 टीचर कन्वीनर,1 सामाजिक कार्यकर्ता, 1 जनप्रतिनिधि, 2 अभिभावक सदस्य) से गूगल फॉर्म की सहायता से भरवाया | हर सदस्य को 11 में से तीन विषयों को चुनना था जिस पर वह प्रशिक्षण चाहते थे |

इन फॉर्म्स का विश्लेषण कर पांच विषय चुने जिन्हें एसएमसी सदस्यों ने प्राथमिकता दी थी| इस विषय सूची में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत बच्चों को मिलने वाली सुविधाएँ और SMC की आवश्यकता, कार्य और दायित्व हैं| इसके साथ ही विद्यालय की वार्षिक कार्ययोज़ना का निर्माण एवं क्रियान्वन, बच्चों के सीखने के स्तर और अभिभावक भागीदारी को बढ़ाने जैसे विषयों को भी शामिल किया गया है | इन चुने गए विषयों पर गतिविधियाँ तैयार की गयी जिन्हें कुछ स्कूलों के SMC सदस्यों, डीआरयू और डीयूआरसीसी के साथ प्रोटोटाइप करने के बाद बनायी गयी है और सभी सुझावों को गतिविधियों में सम्मिलित किया गया|

SMC सदस्यों को ध्यान में रखते हुए, इस पुस्तिका को वीडियो, गतिविधियों, चित्र आदि के द्वारा रोचक व् सरल बनाने का प्रयास किया गया है| इस प्रशिक्षण मॉड्यूल को गूगल क्लासरूम के द्वारा सभी सीआरसीसी (मुख्य प्रशिक्षक) के साथ साझा किया गया| पर यह पुस्तिका बनाने का उद्देश्य तभी सफल होगा जब इन सभी बिंदुओं को विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य गहन अध्ययन कर अपने स्कूल की स्थिति को जान पायेंगे और विद्यालय विकास योजना का निर्माण करके उसका क्रियान्वन भी सुनिश्चित कर सकेगें |

आशा है कि यह पुस्तिका आप सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी और आप प्रभावीरूप से इसका उपयोग कर अपने स्कूल के विकास में सहयोग कर पाएंगे| पुस्तिका के विकास से संबंधित व्यक्तियों की भूमिका और सहयोग महत्वपूर्ण है|

आपके द्वारा दिए गए सुझाव का सदैव स्वागत रहेगा |

समन्वयक एवं संपादक
रितिका डबास
वरिष्ठ प्रवक्ता
एस. सी. ई. आर. टी. , दिल्ली

अनुक्रमणिका

क्र. स.	विषयवस्तु	पृष्ठ संख्या
1.	हम इस पुस्तिका से जानेंगे	1
2.	कार्यशाला को प्रभावी बनाने हेतु ध्यान रखने योग्य बातें	2
3.	'शिक्षा का अधिकार'(RTE) गान के बोल	3
4.	'शिक्षा का अधिकार' अधिनियम (वर्कशीट 1a, 1b, 1c)	4-6
5.	एस एम सी(SMC) के कार्य (वर्कशीट 2a, 2b,2c, 2d)	7-13
6.	विद्यालय विकास योजना (वर्कशीट 3a, 3b,3c, 3d)	14-22
7.	माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों (वर्कशीट 4a,4b,4c,4d, 4e)	23-32
8.	समस्या और समाधान (वर्कशीट 5a,5b,5c)	33-37
9.	मेरी एस एम सी(SMC) की योजना (वर्कशीट 6 a)	38-39

हम इस पुस्तिका से जानेगें

क्रमांक संख्या	सत्र का नाम	सत्र का उद्देश्य
		पहला दिन
1	'शिक्षा का अधिकार" अधिनियम (RTE)	1. शिक्षा का अधिकार' के महत्व के बारे में समझ बनाना 2. शिक्षा का अधिकार' के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जागरूक करना | 3 .प्रतिभागियों को विधालय स्तर और समुदाय स्तर पर अन्य लोगों को शिक्षा का अधिकार बता पाने के लिए तैयार करना |
2	SMC के कार्य	1. प्रतिभागियों की SMC से जुड़े कार्यों पर समझ बनाना | 2. प्रतिभागियों की समझ विकसित करना कि वे SMC के कार्यों को पूरा करने के लिए क्या-क्या एक्शन कर/ले सकते हैं |
		दूसरा दिन
1	विद्यालय विकास योज़ना (SDP)	1. प्रतिभागियों की 'विद्यालय विकास योज़ना" (SDP) के फॉर्मेट और उसके उद्देश्य पर समझ बनाना | 2. प्रतिभागियों की SDP बनाने के स्टेप्स पर समझ बनाना | 3. प्रतिभागियों को सोचने के लिए सक्षम बनाना कि SDP में SMC क्या- क्या काम कर सकती है |
2	माता-पिता की भागीदारी क्यों ?	1. प्रतिभागियों की समझ बनाना कि माता-पिता की भागीदारी ज़रुरी क्यों है ? 2. प्रतिभागियों की 'माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स" पर समझ बनाना| 3. प्रतिभागियों की क्षमता बढ़ाना ताकि वे अन्य माता-पिता तक भी 'माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने वाले के टूल्स" पहुंचा सकें|
		तीसरा दिन
1	समस्या और समाधान	1. प्रतिभागियों की 'समस्या सुलझाने के तरीके/फ्रेमवर्क' पर समझ विकसित करना | 2. प्रतिभागियों की इस फ्रेमवर्क के उपयोग पर समझ बनाना ताकि वे अपने जीवन में/ अन्य माता-पिता के साथ इस फ्रेमवर्क को इस्तेमाल कर सकें |
2	मेरी SMC की योजना	1. हर SMC समूह मिलकर आगे काम करने की योजना बना सकेगी|

कार्यशाला को प्रभावी बनाने हेतु ध्यान रखने योग्य बातें... ... ..

1. प्रशिक्षक द्वारा निर्देश देते समय आपस में बात न करे |
2. सत्रों के दौरान फ़ोन पर बात न करे |
3. सत्र से संबंधित गतिविधियों में सभी प्रतिभागी मिलकर भाग ले |
4. सत्र से संबंधित सवालो पर अपने समूह में चर्चा करे |
5. बड़े समूह में एक बार में एक ही प्रतिभागी बोले |
6. पूरी कार्यशाला के दौरान कम से कम एक बार बड़े समूह में प्रस्तुतीकरण करे |
7. सत्र से सम्बंधित कोई सवाल आने पर प्रशिक्षक से पूछे |
8. स्कूल में समिति द्वारा किये जा सकने वाले कार्यों की मिलकर योजना बनाये
9. प्रतिभागी कार्यशाला के दौरान ही अपने कार्यों, कर्तव्यों और अभिभावक भागीदारी पर अच्छे से समझ बना ले |

'शिक्षा का अधिकार'(RTE) एंथम के बोल

टन टन टन
टन टन टन
टन टन टन
टन टन टन
सुनो घंटी बजी स्कूल की, चलो स्कूल तुमको पुकारे|
पल पल पल रोशनी जो मिली स्कूल की, जगमगाओगे तुम बनके तारे |
टन टन टन
सुनो घंटी बजी स्कूल की, चलो स्कूल तुमको पुकारे|
पल पल पल रोशनी जो मिली स्कूल की, जगमगाओगे तुम बनके तारे |
टन टन टन
टन टन टन
कॉपी और किताबें सारी, स्कूल देगा, स्कूल देगा|
यूनिफार्म भी तुम्हारी स्कूल देगा |
यूनिफार्म भी तुम्हारी स्कूल देगा |
स्कूल अब घर से दूर नहीं है, कम हो गए फासले|
पहुँचोगे स्कूल के गेट पर तुम, थोड़ा सा भी चले|
प्यार और नरमी से तुमको पढ़ाएंगे, टीचर है ऐसे भले|
सच सच सच रीत अब है यही, स्कूल की टीचर कभी बच्चों को ना मारे|
टन टन टन
सुनो घंटी बजी स्कूल की, चलो स्कूल तुमको पुकारे|
टन टन टन
टन टन टन
लाइब्रेरी में जो पढ़ना हो, स्कूल देगा, स्कूल देगा |
दोपहर में खाना भी तो अरे स्कूल देगा, स्कूल देगा |
पढ़ना भी है और खेलना भी, है दोनों बातें यहाँ |
ध्यान उनका भी पूरा रखा गया है, ये जान ले लड़कियाँ|
वो जो पढ़ेगी, जो आगे बढ़ेगी, बदलेगा हिन्दुस्तां |
घर-घर घर शिक्षा जब पहुंचेगी स्कूल की, शक्ति पाएंगे निर्बल भी सारे |
टन टन टन
सुनो घंटी बजी स्कूल की, चलो स्कूल तुमको पुकारे|
चलो स्कूल तुमको पुकारे|
चलो स्कूल तुमको पुकारे|
चलो स्कूल तुमको पुकारे|
टन टन टन

शिक्षा मेरा अधिकार है |

दिल्ली के स्कूलों में यूनिफार्म के लिए पैसे बच्चों के खाता में जमा कराए जाते हैं |

समूह में चर्चा करें व लिखे

स्कूल में बच्चों के लिए कौन-कौन सी सुविधाएँ मिलती हैं?

स्कूल स्तर पर यह सुविधा किस आयु वर्ग के बच्चों के लिए है?

'शिक्षा का अधिकार' के अंतर्गत "मुफ्त व अनिवार्य" शिक्षा का मतलब क्या है?

'शिक्षा का अधिकार' अधिनियम किस तरह के स्कूलों के लिए लागू होता है ?

मुख्य निर्देश: सभी SMC सदस्य दिए गए प्रश्नों पर समूह में चर्चा कर लिखें|

चुने 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के सही बिंदु

S.No.	पिक्चर	बिंदु	निशान लगाएं (कृप्या सही (✓) या गलत (X) का निशान लगाएँ)	आपको बिन्दु सही क्यों लग रहा है - (बातचीत करे व् लिखे)
1		आस- पास के दिव्यांग बच्चे भी 'शिक्षा का अधिकार' अधिनियम के तहत सामान्य स्कूल से शिक्षा प्राप्त करते हैं।		
2		स्कूल में पहली से दसवीं तक के सभी बच्चों को मिड -डे-मिल मिलता है ।		
3		स्कूल 6 - 14 वर्ष तक के बच्चों को पूरे साल दाखिला देने से मना नहीं करता ।		
4		स्कूल में साफ़ पीने के पानी की व्यवस्था होती है ।		
5		6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों को किताबों के पैसे दिए जाते हैं ।		
6		स्कूल में लड़के और लड़कियों के लिए अलग शौचालय की व्यवस्था होती है ।		
7	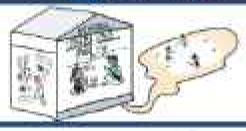	स्कूल में लाइब्रेरी, खेल का मैदान और खेल के उपकरण उपलब्ध होते हैं ।		
8	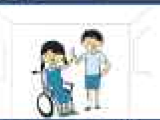	दिव्यांग बच्चों के लिए बाधा रहित मुक्त वातावरण होता है ।		
9		किसी पड़ोस के स्कूल में 1 - 8वीं कक्षा तक निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा पाने का बच्चों को अधिकार है ।		
10		अध्यापक, कक्षा और विद्यालय में बच्चों की पिटाई करता है ।		
11	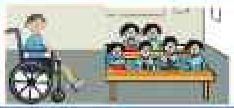 6 वर्ष से 18 वर्ष	दिव्यांग बच्चों को 6-18 वर्ष तक अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है ।		

मुख्य निर्देश - सभी बिंदु पढ़ें और 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के अनुसार जो सही बिंदु हैं उनको चुने ।

'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के बारे में माता-पिता को बताने के सुझावित तरीके

SMC मीटिंग में 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के मुद्दे पर बात करना और सभी सदस्यों को RTE के मुख्य बिंदु (रीडिंग 1 - 'शिक्षा का अधिकार' से संबंधित बिंदु) के बारे में बताना |

किसी सार्वजनिक स्थल में बात करके वहां 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के बिंदु चार्ट पेपर पर लिखकर चिपका देना या RTE के बिंदुओं की घोषणा (अनाउंसमेंट) करना |

स्कूल में माता-पिता की मीटिंग (Parent teacher meeting) बुलाना | उस मीटिंग में (चार्ट पेपर पर लिखकर, बोलकर, पैम्फलेट बांटकर आदि) 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के बारे में बताना |

बैनर या चार्ट पेपर पर 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के बिंदु लिखकर समुदाय (community) में रैली निकालना या नुक्कड़ नाटक करना और आस पास के लोगों को सभी मुख्य बिंदु बताना |

मुख्य निर्देश - RTE के बारे में माता-पिता को बताने के लिए कोई 2 तरीके चुने और किसी एक तरीके से सबको RTE के बारे में बताएं

समूह में चर्चा करे व लिखे

SMC बनाने का उद्देश्य बताये?

SMC में कितने सदस्य होते हैं?

SMC की बैठक एक माह में कितनी बार होती है ?

SMC के कार्य बताए?

मुख्य निर्देश: दिए गए प्रश्नों पर समूह में चर्चा करें व् उत्तर लिखें|

स्कूल व समुदाय स्तर पर SMC के कार्य

विद्यालय में आस-पास के सभी बच्चों का दाखिला व निरंतर उपस्थिति सुनिश्चित करना

स्कूल के आस-पास के समुदाय में जो भी बच्चे स्कूल जाने की उम्र के हैं उन सभी का स्कूल में दाखिला हो जाए और वो रोज़ स्कूल जाएं यह सुनिश्चित करना |

विद्यालय धीरपुर की SMC : दाखिले के बाद जो भी बच्चे स्कूल नहीं आ रहे थे, समुदाय में जाकर ऐसे कुछ बच्चों को स्कूल लाया गया | SMC मीटिंग के दौरान समस्या निकलकर आई कि बच्चे स्कूल नहीं आ रहे है | शिक्षकों द्वारा ऐसे 28 बच्चों की लिस्ट बनाई गयी और SMC सदस्यों को दी गयी | SMC सदस्यों ने समुदाय में जाकर इन बच्चों के अभिभावकों के साथ बातचीत की इन 28 बच्चो में से 18 बच्चे वापिस स्कूल आने लगे |

दिव्यांग बच्चों को नामांकन और दाख़िला संबंधी सुविधा मिले और वे अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करें, इसका निरीक्षण करना |

स्कूल के आस-पास समुदाय में जो भी दिव्यांग बच्चे स्कूल जाने की उम्र के हैं उन सभी का स्कूल में दाखिला हो जाए और वो अपनी पहली से आठवीं तक की पढाई पूरी कर ले यह सुनिश्चित करना |

रामपुर विद्यालय की SMC: मीटिंग के दौरान दिव्यांग बच्चों के नामांकन और दाख़िला संबंधी मुद्दे पर चर्चा हुयी और समस्या निकलकर आई कि 5 बच्चे लगातार अनुपस्थित है | शिक्षको द्वारा SMC को उन 5 बच्चों की लिस्ट दी गयी और SMC द्वारा उनके घर जाकर उनके अभिभावकों से बच्चों के स्कूल न आने का कारण जानने की योजना तैयार की गयी | SMC सदस्यों द्वारा उन सभी अभिभावकों के घर में संपर्क किया गया व उन्हे स्कूल में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताया गया |

अभिभावक और संरक्षक के साथ नियमितरुप से मीटिंग करना और बच्चों के बारे में उपयुक्त सूचना देना|

बच्चों के माता- पिता व संरक्षक के साथ समय समय पर मीटिंग करना व बच्चों के बारे में बताना जैसे-उनका बच्चा कितना सीख रहा है, बच्चा कितना स्कूल आ रहा है, बच्चे को क्या समस्या आ रही है आदि

तिमारपुर विद्यालय की SMC : SMC सदस्यों के सहयोग से स्कूल में "ओपन हाउस" किया गया, जहां सभी अध्यापको ने अभिभावकों के साथ उनके बच्चो का रिज़ल्ट साझा किया | SMC मीटिंग के दौरान अभिभावकों के साथ उनके बच्चों का रिज़ल्ट साझा करने के मुद्दे पर योजना बनी | इस मुद्दे पर काम करते हये 1-5वीं तक के बच्चों के सभी अभिभावकों को ओपन हाउस में बुलाया गया | इस प्रकियाँ में 105 अभिभावक शामिल हये जिसमें कक्षा अध्यापिका ने सभी अभिभावकों को उनके बच्चों का रिज़ल्ट साझा किया जिससे अभिभावको को उनके बच्चों के शैक्षणिक स्तर के बारे में जानकारी मिली |

विद्यालय के वातावरण को प्रभावी बनाना, जिससे वहां नियमित रुप से पढ़ाई हो सके |

SMC की मीटिंग जितनी बार होनी चाहिए उतनी बार हो व समय पर हो जिसमें सभी SMC के सदस्य शामिल रहे |

नवम्बर 2014 की एस एम सी मीटिंग में 3-5वीं कक्षा तक के बच्चों का हिन्दी स्तर जानने के लिए दिन व समय तयकिया गया | निर्धारित दिन पर स्तर जांचने के बाद अगली मीटिंग में परिणाम देखे गए|अससेस्समेंट करने पर परिणाम देखे गए व उसके अनुसार आगे की योजना बनाइ गयी | अध्यापक 79.06 प्रतिशत बच्चों के स्तर में सुधार लाने में सफल हुये और अभिभावक सदस्य 37.44 प्रतिशत बच्चों के स्तर पर सुधार लाये |

मुख्य निर्देश: दिए गए SMC के कार्यों का मतलब पढ़कर कार्यों पर समझ बनाएं|

स्कूल और समुदाय स्तर पर SMC के कार्य

बच्चों के अधिकारों के बारे में आस-पास के लोगों, विशेषकर अभिभावकों को आसान व् रचनात्मक तरीकों से बताना |

बच्चों के अधिकारों के बारे में स्कूल के आसपास समुदाय में रहने वाले लोगों को खासकर बच्चों के माता पिता को आसान व् समझ आ सकने वाले तरीकों से बताना |

बानसुर की SMC ने अक्टूबर माह में स्कूल अवकाश के दौरान, समुदाय के अभिभावकों को स्कूल में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बताने के लिए "कहानी सुनाने" कार्यक्रम का आयोजन किया | जिसमें समुदाय में 'अनाउंसमेन्ट कर सभी लोगो को इकठ्ठा किया गया व SMC सदस्यों ने समुदाय में अलग अलग जगह पर कहानी के माध्यम से स्कूल में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में समुदाय को जागरुक किया |

विद्यालय में मिड-डे-मील (Mid-day Meal) का निरीक्षण करना |

स्कूल में आने वाले पहली से आठवीं तक के सभी बच्चों को सही मात्रा व सही क्वालिटी का मिड-डे-मील मिले सुनिश्चित करना |

विद्यालय रामसर की SMC बहुत सक्रिय है | अब तक SMC ने- अनुपस्थित बच्चों को स्कूल तक लाना, स्कूल PTM आदि कई मुद्दो पर काम किया है | जनवरी माह में इस स्कूल की SMC मीटिंग के दौरान शिक्षको ने SMC के समक्ष "सभी बच्चों द्वारा मिड-डे-मिल न लिए जाने" की समस्या सामने रखी | SMC ने इस समस्या को सुलझाने हेतु योजना तैयार की | सबसे पहले SMC ने स्कूल के बच्चों से मिड-डे-मिल न लेने का कारण जाना | बच्चों ने बताया कि मिड-डे-मिल खत्म हो जाता है, सभी बच्चे लाइन से नहीं लेते , उन्हे स्वाद नहीं लगता आदि | कारण जानने के बाद SMC ने स्कूल शिक्षकों के साथ कारण साझा किए व बच्चों की इन समस्या को दूर करने के लिए संभावित तरीके निकाले व सभी ने मिड-डे-मिल की गुणवता सुधारने व सभी बच्चों को मिड-डे-मिल मिले में अपनी अपनी ड्यूटी लगाई |

मुख्य निर्देश: दिए गए SMC के कार्यों का मतलब पढ़कर कार्यों पर समझ बनाएं |

स्कूल स्तर पर SMC के कार्य

	अभिभावक और संरक्षक के साथ नियमित रुप से मीटिंग करना और बच्चों के बारे में उपयुक्त सूचना देना।		दिव्यांग बच्चों को नामांकन और दाख़िला संबंधी सुविधा मिले और वे अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करें, इसका निरीक्षण करना।
बच्चों को पढ़ाई में आ रही परेशानियां माता-पिता को बताना।	बच्चों के पेपर कब हैं इसकी समय से और सही जानकारी माता-पिता को देना।	समुदाय विजिट करना व दिव्यांग बच्चों का पता लगाना।	समुदाय विजिट करना व बच्चों के अभिभावकों से संपर्क करना।
सदस्य 1 -	सदस्य 2 -	सदस्य 1 -	सदस्य 2 -
सदस्य 3 -	सदस्य 4 -	सदस्य 3 -	सदस्य 4 -
सदस्य 5 -	सदस्य 6 -	सदस्य 5 -	सदस्य 6 -

मुख्य निर्देश - SMC के कार्य के अंतर्गत सुझावित एक्शन पढ़े और हर SMCसदस्य खाली जगह पर 1-1 एक्शन लिखें।

स्कूल स्तर पर SMC के कार्य

विद्यालय के वातावरण को प्रभावी बनाना, जिससे वहां नियमित रुप से पढ़ाई हो सके |

विद्यालय में मिड-डे-मील (Mid-day Meal) का निरीक्षण करना |

कक्षाकक्ष (क्लासरूम) की रोज़ाना सफाई हो यह दिखना		समय-समय पर प्रार्थनासभा(असेंबली) में मनोरंजक गतिविधियों की योजना बनाना		मिड-डे-मील टेस्ट (चखेंगे) करना		खाना बांटने वाले व्यक्ति ने दस्ताने पहने हो और सिर ढका हो यह सुनिश्चित करना	
सदस्य 1 -	सदस्य 2 -	सदस्य 1 -	सदस्य 2 -
सदस्य 3 -	सदस्य 4 -	सदस्य 3 -	सदस्य 4 -
सदस्य 5 -	सदस्य 6 -	सदस्य 5 -	सदस्य 6 -

मुख्य निर्देश - SMC के कार्य के अंतर्गत सुझावित एक्शन पढ़े और हर SMCसदस्य खाली जगह पर 1-1 एक्शन लिखें |

समुदाय स्तर पर SMC के कार्य

	बच्चों के अधिकारों के बारे में आस-पास के लोगों, विशेषकर अभिभावकों को आसान व् रचनात्मक तरीकों से बताना |		**विद्यालय में आस - पास के सभी बच्चों का दाख़िला और निरंतर उपस्थिति सुनिश्चित करना||**
चार्ट पेपर पर 'शिक्षा का अधिकार' के मुख्य बिंदु लिखकर रैली निकालना	सामूहिक स्थानों में 'शिक्षा का अधिकार' के मुख्य बिंदुओं की घोषणा (अनाउंसमेंट) करवाना |	समुदाय में उन बच्चो की सूचि बनाना जिनका दाखिला नहीं हुआ है और उनका दाखिला करवाने मैं मदद करना |	जो बच्चे रोज़ाना स्कूल नहीं आ रहे, उनके घर जाकर उनके माता-पिता को उन्हें रोज़ाना स्कूल भेजने के लिए प्रोत्साहित करना |
सदस्य 1 -	सदस्य 2 -	सदस्य 1 -	सदस्य 2 -
सदस्य 3 -	सदस्य 4 -	सदस्य 3 -	सदस्य 4 -
सदस्य 5 -	सदस्य 6 -	सदस्य 5 -	सदस्य 6 -

मुख्य निर्देश - SMC के कार्य के अंतर्गत सुझावित एक्शन पढ़े और हर SMCसदस्य खाली जगह पर 1-1 एक्शन लिखें |

आप इनमे से क्या कार्य करेगे- स्कूल व् समुदाय स्तर पर एक-एक कार्य चुने |

स्कूल स्तर पर SMC के कार्य

अभिभावक और संरक्षक के साथ नियमित रुप से मीटिंग करना और बच्चों के बारे में उपयुक्त सूचना देना|

विद्यालय के वातावरण को प्रभावी बनाना, जिससे वहां नियमित रुप से पढ़ाई हो सके |

दिव्यांग बच्चों को नामांकन और दाख़िला संबंधी सुविधा मिले और वे अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करें, इसका निरीक्षण करना |

विद्यालय में मिड-डे-मील (Mid-Day Meal) का निरीक्षण करना |

समुदाय स्तर पर SMC के कार्य

बच्चों के अधिकारों के बारे में आस-पास के लोगों, विशेषकर अभिभावकों को आसान व् रचनात्मक तरीकों से बताना |

विद्यालय में आस - पास के सभी बच्चों का दाख़िला और निरंतर उपस्तिथि सुनिश्चित करना |

मुख्य निर्देश: SMC में बेहतर कार्य करने के लिए कोई 2 कार्य चुने और स्कूल में जाकर देखें |

समूह में चर्चा करे व लिखे

विद्यालय विकास योजना का उद्देश्य

विद्यालय विकास योजना बनाने के लिए SMC क्या-क्या स्टेप्स ले सकती है?

विद्यालय विकास योजना कितने वर्ष की बनायी जाती है?

विद्यालय विकास योजना बनाने के लिए SMC किन-किन व्यक्तियों से संपर्क करती है?

मुख्य निर्देश: दिए गए प्रश्नों पर समूह में चर्चा करें व् उत्तर लिखें|

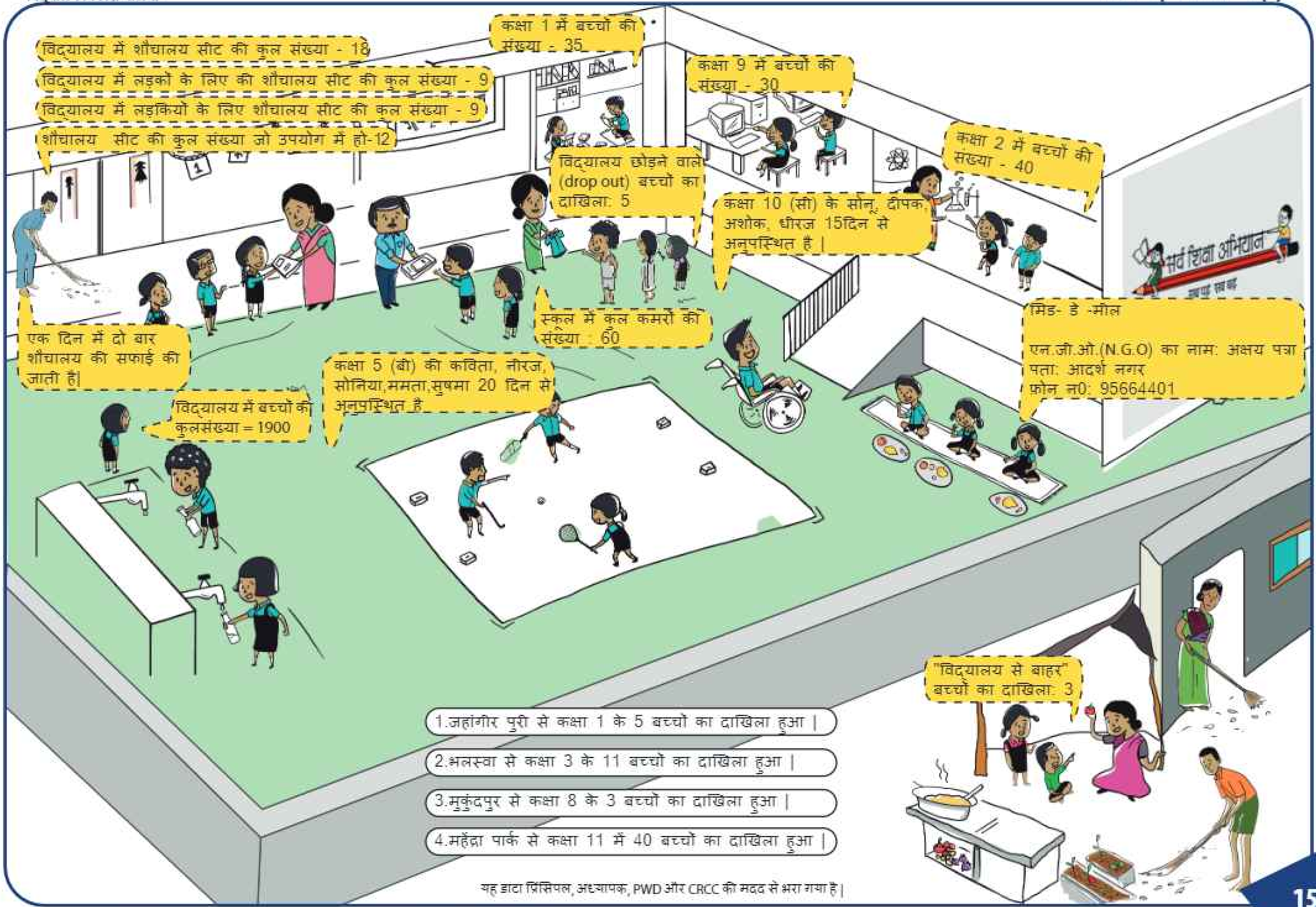

मुख्य निर्देश: स्कूल से संबंधित डाटा पढ़े और अगली वर्कशीट में आवश्यकता अनुसार चिपकाएं |

विद्यार्थियों की उपस्थिति

a.	क्या ऑनलाइन उपस्थिति नियमित आधार पर भरी जाती है?	हाँ / नहीं
b.	स्कूल में कुल बच्चों की संख्या	
c.	बच्चों की कक्षा वर्ग अनुसार संख्या (कृप्या एक अलग शीट का प्रयोग करें)	
d.	छात्रों (कक्षा-वर्ग अनुसार) का नाम जो बिना किसी सूचना के लंबे समय (30 दिनों से अधिक) से अनुपस्थित थे	

	क्रमांक संख्या	विद्यार्थी ID	विद्यार्थी का नाम	कक्षा (I to VIII)	वर्ग

e.	लंबे समय तक अनुपस्थित बच्चों की अनुपस्थिति को कम करने के लिए SMC द्वारा गए उठाए कदम या भविष्य के लिए सोचे गए कदम(100 शब्द)		
f.	कक्षा-वर्ग अनुसार बच्चों की संख्या जो लम्बे समय से अनुपस्थित थे और जिन्हें स्कूल में वापिस लाया गया	कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या

मुख्य निर्देश: खाली जगह पर डाटा भरने के लिए वर्कशीट 3(a) का प्रयोग करें|

स्कूल में पीने के पानी की व्यवस्था

a.	क्या स्कूल में "दिल्ली जल बोर्ड" के पानी की व्यवस्था है?	हाँ / न
b.	अगर नहीं, क्या बोरवेल की व्यवस्था है?	हाँ / न
c.	क्या पानी का कूलर काम कर रहा है	हाँ / न
d.	क्या आर ओ / एक्वागार्ड(RO/Aquaguard) स्कूल में है	हाँ / न
e.	अगर हाँ, क्या आर ओ / एक्वागार्ड(RO/Aquaguard) हर मंज़िल पर है	हाँ / न
f.	अगर आर ओ / एक्वागार्ड(RO/Aquaguard) है तो वह कार्य कर रहा है?	हाँ / न

अगर नहीं, स्कूल में साफ़ पानी प्राप्त कराने के लिए SMC द्वारा उठाए गए कदम

मुख्य निर्देश: अपने स्कूल को ध्यान में रखते हुए हाँ या ना पर निशान लगाएँ।

शौचालय की व्यवस्था

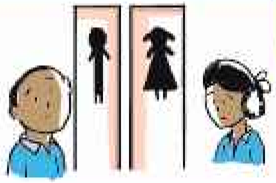

क्रमांक संख्या	विषय	स्कूल में शौचालय सीट की कुल संख्या	शौचालय सीट की कुल संख्या जो उपयोग में हो	कितनी सीट्स की और जरुरत है?	कितने शौचलय के लिए EOR को मंजूरी मिल चुकी है?	पी डब्ल्यू डी के द्वारा काम को पूरा करने का अनुमानित समय (महीने और दिन)
a.	लड़के					
b.	लड़कियाँ					
c.	दिव्यांग					
d.	स्टाफ (पुरुष)					
e.	स्टाफ़ (महिलायें)					
f.	शौचालय में पानी की आपूर्ति (सप्लाई)				पर्याप्त / अपर्याप्त	
g.	एक दिन में कितनी बार शौचालय की सफाई की जाती है|					

मुख्य निर्देश: खाली जगह पर डाटा भरने के लिए वर्कशीट 3(a) का प्रयोग करें|

अवसरंचना/मूलभूत सुविधायें (कक्षा-कक्ष)

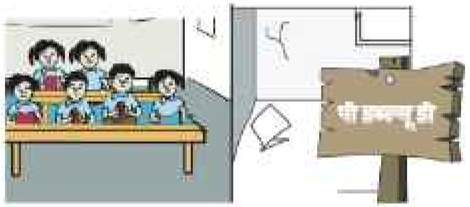

RTE अधिनियम के अनुसार स्कूल में कक्षा-कक्ष की आवश्यकता	अभी कमरों की कुल संख्या कितनी है?	और कितने कमरों की जरुरत है?	कितने कमरों के लिए EOR को मंज़ूरी मिल है।	कितना बाकी रह गया है?	पीडब्ल्यूडी के परामर्श से कमरे के निर्माण के लिए स्कूल में कितनी जगह उपलब्ध है?
(1)	(2)	(3) = (1) - (2)	(4)	(5) = (3) - (4)	(6)

मुख्य निर्देश: खाली जगह पर डाटा भरने के लिए वर्कशीट 3(a) का प्रयोग करें|

चालू वर्ष में एसएमसी द्वारा "स्कूल ड्राप-आउट" और "स्कूल से बाहर बच्चों" का दाख़िला

कॉलोनी	स्कूल में बच्चों की संख्या जिनका दाख़िला हुआ है							कुल संख्या
	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	

मुख्य निर्देश: खाली जगह पर डाटा भरने के लिए वर्कशीट 3(a) का प्रयोग करे|

मिड-डे-मील

a.	मिड-डे-मील की आपूर्ती करने वाले NGO का नाम, पता, फ़ोन न0, ई-मेल	
b.	बच्चों की कुल संख्या जिन्हें मिड-डे-मील से लाभ मिल रहा हो|	
c.	क्या मिड-डे-मील की जानकारी ऑनलाइन भरी जा रही है?	हाँ/न
d.	क्या विद्यालय की मिड-डे-मील समिति नियमित रूप से मिड-डे-मील का स्वाद और वितरण निरीक्षण करती है?	हाँ/न
e.	क्या मिड-डे-मील की आपूर्ति होती है ?	हाँ/न
f.	मिड-डे-मील की गुणवत्ता और वितरण कैसे हैं |	संतुष्ट / असंतुष्ट
g.	क्या मिड-डे-मील के आपूर्तिकर्ता का समय से भुगतान होता हैं ?	हाँ/न
h.	अगर मिड-डे-मील के आपूर्तिकर्ता का समय से भुगतान नहीं होता,उसके क्या कारण है और इससे संबंधित SMC क्या कार्य किए हैं?	

मुख्य निर्देश: खाली जगह पर डाटा भरने के लिए वर्कशीट 3 (a) का प्रयोग करे |

विद्यालय विकास योजना हेतु मेरे (SMC) सुझाव

SDP के मुद्दे		सुनिश्चित करने के लिए SMC के सुझाव	कोई 2 मुद्दे चुने
	सैनिटरी स्टाफ की नियमितता और समयबद्धता		
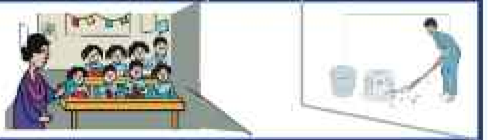	स्कूल में स्वच्छता के संचालन को बनाए रखने के लिए		
	लंबे समय तक अनुपस्थित बच्चों के लिए		
	मिड डे-मील योजना में सुधार हेतु		
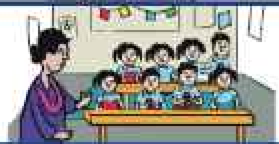	बच्चों के पढ़ने के स्तर में सुधार हेतु		
	स्कूल पुस्तकालय में सुधार और पुस्तक जारी करने के लिए		
	लड़कियों के लिए खेल प्रशिक्षण/आत्मनिर्भरता प्रशिक्षण- कम से कम एक खेल/प्रशिक्षण का आयोजन ।		

मुख्य निर्देश: SDP से संबन्धित मुद्दो पर समूह में चर्चा करे व लिखे | प्रतिभागी स्कूल विकास योजना हेतु 2 मुद्दे चुने|

केस स्टडी 1 -

राकेश जी रोज़ाना घर आकर अपना ऑफिस का काम पूरा करते हैं और उसी दौरान अपने बेटे बिट्टू को भी पढ़ाई के लिए अपने पास बिठाते हैं | रोज़ाना राकेश जी के ऐसा करने से बिट्टू के पढ़ाई करने का समय बन गया है | अब तो बिट्टू खुद ही इस समय पढ़ने बैठ जाता है |

समूह में चर्चा करें और लिखें -

1.राकेश जी का बिट्टू को पढ़ाई के लिए अपने साथ बैठना अच्छा है या बुरा?

2. और आपको ऐसा क्यों लगता है ?

केस स्टडी 2 -

मुन्नी जी अपनी बेटी प्रिया के साथ काफ़ी समय बिताती है उससे बातें करती है और उसके साथ खेलती भी हैं | प्रिया और मुन्नी जी का रिश्ता दोस्तों जैसा हो गया है प्रिया अपनी हर बात अपनी माँ को आसानी से बता पाती हैं |

समूह में चर्चा करें और लिखें -

1.मुन्नी जी का अपनी बेटी के साथ समय बिताना व् उसके साथ खेलना अच्छा है या बुरा ?

2. और आपको ऐसा क्यों लगता है ?

केस स्टडी 1 -

दिशा और राहुल अपनी बेटी गुड़िया के सामने लड़ाई-झगड़ा करते रहते हैं | रोज़ाना अपने मम्मी-पापा का झगड़ा देखने के कारण गुड़िया चुप रहने लगी है, चिड़चिड़ी हो गई है और अपने स्कूल में बच्चों से झगड़ा करने लगी है |

समूह में चर्चा करें और लिखें -

1.दिशा और राहुल का गुड़िया के सामने रोज़ झगड़ा करना अच्छा है या बुरा ?

2. और आपको ऐसा क्यों लगता है ?

केस स्टडी 2 -

चिंटू जो भी चीज़ मांगता है उसके मम्मी-पापा मीना और मोहित लाकर देते हैं | चिंटू 10 साल का है और उसके पास वीडियो गेम और फ़ोन आदि चीज़े भी हैं | चिंटू अब बहुत ज़िद्दी हो गया है और जो चीज़ उसे चाहिए वह लेकर ही मानता है |

समूह में चर्चा करें और लिखें -

1.चिंटू के माता - पिता द्वारा उसकी सभी मांगो को पूरा करना अच्छा है या बुरा है?

2. और आपको ऐसा क्यों लगता है ?

मुख्य निर्देश: समूह में केस-स्टडी को पढ़े और दिए गए सवालों पर चर्चा करें |

हमारे एक्शन और बच्चों पर उनका बुरा असर

माता- पिता/अभिभावक बच्चे की पढ़ाई में उसकी मदद नहीं कर रहे, तो इसका बच्चे पर क्या असर होगा ?

बच्चा होमवर्क नहीं कर पा रहा और परेशान है|

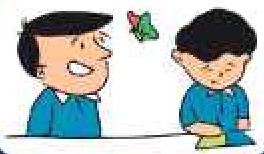

बच्चा क्लास में ध्यान नहीं देता है|

बच्चा क्लास में दूसरे बच्चों के साथ झगड़ा करता है |

बच्चा अपना होमवर्क रहा है पर पिता टी. वी. देख रहे है|

माता-पिता/अभिभावक बच्चे को मारते या डांटते हैं तो बच्चों पर उसका असर होता है ?

बच्चा दूसरे बच्चों के साथ झगड़ा करता है |

बच्चा उदास है |

बच्चा बीमार हो गया है |

माता-पिता बच्चे को डाँट रहे हैं |

मुख्य निर्देश - आपके एक्शन का बच्चे पर क्या असर होता है, उस पर चर्चा करें और लिखें |

हमारे एक्शन और बच्चों पर उनका अच्छा असर

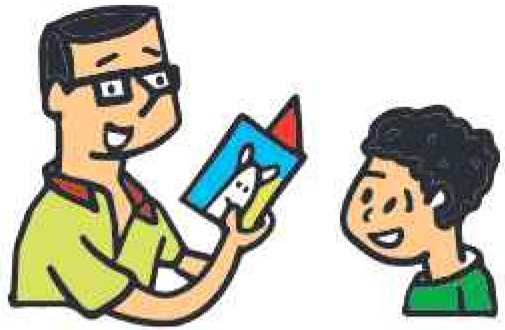

बच्चा माता-पिता /अभिभावक से कहानी सुनता है |

बच्चा घर के काम में माता-पिता /अभिभावक की सहायता करता है |

बच्चा दूसरे बच्चों के साथ खेलता है

बच्चा माता-पिता /अभिभावक के साथ खेलता है |

माता-पिता /अभिभावक बच्चे से प्यार करते हैं और उसे समय देते हैं |

बच्चा खुशी से स्कूल जाता है|

मुख्य निर्देश - आपके एक्शन का बच्चे पर क्या असर होता है, उसपर चर्चा करें और लिखें |

माता-पिता /अभिभावक की भागीदारी बढ़ाने वाले टूल्स - दिशानिर्देश

टूल 1 - बच्चे और माता-पिता/अभिभावक की भागीदारी

माता-पिता के लिए निर्देश -

1. इस शीट में - माता-पिता /अभिभावक बच्चे के साथ क्या बातचीत कर सकते हैं, बच्चे के साथ पढ़ाई लिखाई से जुड़ी कौन-सी गतिविधियां कर सकते हैं और बच्चे के टीचर क्या बातचीत कर सकते हैं आदि बताया गया है |

2. इनमें कुछ गतिविधियां ऐसी है जो माता-पिता को -
   - रोज़ाना बच्चों के साथ करनी होंगी |
   - और कुछ कभी-कभी करनी होंगी |

3. यह आवश्यक नहीं है कि माता-पिता एक ही बार में सब गतिविधियां करें पर माता-पिता शीट में दी गयी सब गतिविधियां बच्चे के साथ करें ज़रुर और इन गतिविधियों को अभ्यास में लाएं |

टूल 2 - देखो क्या सीखा

माता-पिता /अभिभावक के लिए निर्देश -

1. माता-पिता /अभिभावक शीट दिए गए तरीक़े से 'बच्चों का हिंदी पढ़ने का स्तर' जांचना सीखें | इसके लिए वे बच्चे के टीचर की भी मदद ले सकते हैं |

2. टूल पर समझ बना लेने के बाद हर माह बच्चे के हिंदी पढ़ने का स्तर जांचे |

3. जिस दिन भी बच्चे का स्तर जांचा है उसकी तारीख (दी गयी जगह पर) बच्चे के स्तर के नीचे लिखें |

4. देखें कि बच्चा कितना पढ़ पा रहा है, उसे पढ़ने में क्या-क्या परेशानियां आ रही हैं |

टूल 3 - मेरा बच्चा मेरा किस्सा

माता-पिता /अभिभावक के लिए निर्देश -

1. इस शीट में 1 महीने तक बच्चों के साथ की जा सकने वाली गतिविधियां दी गई हैं |हर सप्ताह में मात -पिता /अभिभावक के बच्चे के साथ करने के लिए 3 सुझावित गतिविधियां दी हुई हैं |

2.माता-पिता /अभिभावक हर गतिविधि को पढ़ें, समझें और उसके साथ करें |

3. हर गतिविधि करने के बाद माता-पिता दिए गए दो सवालों का जवाब भी इस शीट में ज़रुर भरें | हर सप्ताह बताई गई गतिविधियां बच्चों के साथ करें और हर सप्ताह शीट में दिए सवालों के जवाब भरें |

4. हर सप्ताह की गतिविधियों के नीचे लिखे 'माता-पिता /अभिभावक के लिए बताए गए अभ्यास' पर भी माता-पिता /अभिभावक ज़रुर कार्य करें |

टूल 4 - रोज़ की बातें

माता-पिता /अभिभावक के लिए निर्देश -

1.माता-पिता /अभिभावक शीट में लिखी बच्चे की पढ़ाई से जुड़ी रोज की चीज़ें पढ़ें |

2.रोज़ाना बच्चे के स्कूल जाने से पहले सुनिश्चित करें कि बच्चे के बैग में किताबें और कापियां हो |

3. साथ ही बच्चे के पास पानी की बोतल हो, उसने साफ़ स्कूल ड्रेस पहनी हो आदि भी सुनिश्चित करें |

4.रोज़ाना यह चीजे करने के बाद इस शीट में निशान लगाएं -
अगर आपने वह चीज़ सुनिश्चित की है तो सही (✓) का निशान
और अगर आपने वह चीज़ सुनिश्चित नहीं की है तो गलत (**X**) का निशान

मुख्य निर्देश: SMC सदस्य "माता-पिता की भागीदारी कैसे बढ़ सकतीहै" टूल्स पर अपनी समझ बनाएं|

बच्चे और माता-पिता /अभिभावक की भागीदारी

बच्चों के साथ बातचीत	बुनियादी व अहम् ज़िम्मेदारी	बच्चों के साथ शैक्षणिक गतिविधियां	बच्चों के शिक्षक से मिलकर फीडबैक देना या उनसे फीडबैक लेना	बच्चों के साथ कुछ खेल या मनोरंजक कार्य
बच्चे का दिन कैसा रहा इसके बारे में बातचीत करें | 1) जैसे - पूरे दिन में उसे क्या अच्छा लगा, क्या अच्छा नहीं लगा आदि | 2) साथ ही बच्चे को अपने दिन के बारे में भी बताएं | रोज़ाना	1) बच्चे को रोज़ाना स्कूल ज़रुर भेजें | 2) बच्चे को यूनिफार्म में स्कूल भेजें | 3) स्कूल जाने से पहले रोज़ाना बच्चों की किताब, बैग चेक करें | रोज़ाना	1) रोज़ाना बच्चे का सारा होमवर्क चेक करें| 2) बच्चे के होम वर्क करते समय कुछ समय उसके साथ बैठें | रोज़ाना	नियमितरुप से बच्चे के टीचर से मिलकर पूछना कि 1) बच्चे की अटेंडेंस कितनी थी /क्या रही? 2) हिंदी पढ़ने व् गणित के स्तर के बारे में पूछना - अन्य विषयों के बारे में भी बात करना| कभी-कभी	कभी-कभी बच्चों को अपने साथ बाजार लेकर जाएँ और अपने बचपन, बाजार से जुड़ी चीज़ों आदि के बारे में बातचीत करें | कभी-कभी
बच्चे के दोस्तों के बारे में बातचीत करना | 1) जैसे - उसका सबसे अच्छा दोस्त कौन है ?उसे वही दोस्त सबसे अच्छा क्यों लगता है आदि | 2) साथ ही उसे भी अपने दोस्त के बारे में बताएं | कभी-कभी	टाइम-टेबल के अनुसार बच्चे को बैग लगाने में बच्चे की मदद करें रोज़ाना	1) बच्चों को कहानी पढ़कर सुना एं या बच्चों से कहानी सुने | 2) साथ मिलकर अखबार पढ़े | कभी-कभी	बच्चे द्वारा स्कूल से जुड़ी बताई गई, अच्छी या बुरी बात को टीचर से साझा करना | कभी-कभी	किसी ऐतिहासिक स्थल (जैसे - क़ुतुब मीनार, लाल किला आदि) घूमने जाएँ और उस जगह के बारे में बातचीत करें जैसे- 1.वह जगह किसने बनवाई थी? 2.वह जगह क्यों बनवाई गई थी? आदि कभी-कभी
बच्चों के उसके स्कूल के बारे में बातचीत करें | 1) उसे स्कूल में क्या अच्छा लगता है, स्कूल में क्या- क्या परेशानी लगती है आदि | 2) बच्चे को अपने स्कूल के दिनों क बारे में भी बताएं | कभी-कभी	रोज़ाना देखें कि बच्चे को स्कूल से क्या होम वर्क मिला है और उसे पूरा करने में बच्चे की मदद करें | रोज़ाना	हिंदी पढ़ने व् गणित के स्तर के बारे में पूछना - अन्य विषयों के बारे में बच्चे से बातचीत करें और समय-समय पर 'शिक्षा की सीढ़ी' टूल की मदद से बच्चों के शैक्षणिक स्तर जांचे | कभी-कभी	1) बच्चों के व्यवहार में आ रहे सकारात्मक/नकारात्मक बदलाव को उसके टीचर के साथ साझा करें और 2) टीचर से सुझाव लें कि आप घर में क्या कर सकते हैं जिससे बच्चे में अच्छे बदलाव हो | कभी-कभी	बच्चे के साथ लूडो, अन्ताक्षरी, चैस, कैरम या कोई अन्य खेल खेलें | कभी-कभी

मुख्य निर्देश: माता-पिता बताई गई गतिविधियाँ बच्चों के साथ करें |

MCD व् DoE स्कूलों के लिए

देखो क्या सीखा - शिक्षा की सीढ़ी

सावन का महीना था। आसमान में बहुत काले-काले बादल छाए थे। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। मुझे झूला झूलने का मन किया। बड़े भैया एक मोटी सी रस्सी लेकर बाहर आए। भैया ने रस्सी को पेड़ से लटकाकर झूला बनाया। सब ने मिलकर खूब झूला झूला। बाकी बच्चे भी आकर मज़े से झूलने लगे। झूलते-झूलते रात हो गई।

बगीचे में एक पेड़ है।
पेड़ पर एक तोता रहता है।
तोते का रंग हरा है।
वह लाल टमाटर खाता है।

ल प स
क ग
ड ब म
ट झ

लाल दूध
पैर
तेल किला
मोर
जूता मौका

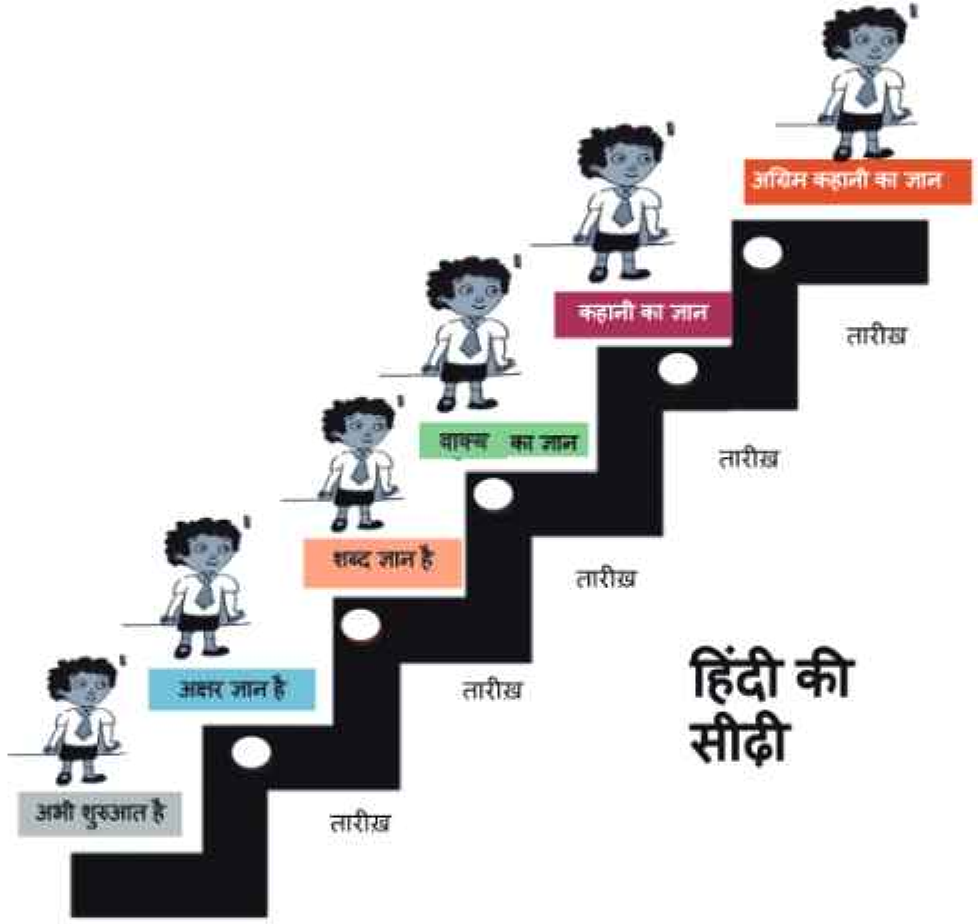

माता- पिता के लिए निर्देश- टीचर की मदद से बच्चे के हिंदी पढ़ने का स्तर जांचना सीखे और घर जाकर बच्चे का स्तर जांचे |

तारीख लिखें - जिस दिन बच्चे का स्तर जांचा गया है, वह तारीख लिखें |

मुख्य निर्देश: "शिक्षा की सीढ़ी" टूल का प्रयोग मिशन बुनियाद में भी किया गया था |

प्राथमिक स्तर के बच्चों के लिए

सैम्पल

असर के बुनियादी पढ़ने की जाँच सामग्री: हिन्दी

यह बुनियादी पढ़ने की जाँच का एक सैम्पल है।

कक्षा II स्तर का पाठ

सावन का महीना था। आसमान में बहुत काले-काले बादल छाए थे। ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। मुझे झूला झूलने का मन किया। बड़े भैया एक मोटी सी रस्सी लेकर बाहर आए। भैया ने रस्सी को पेड़ से लटकाकर झूला बनाया। सब ने मिलकर खूब झूला झूला। बाकी बच्चे भी आकर मज़े से झूलने लगे। झूलते-झूलते रात हो गई।

नोट: यह पाठ भारत में सारी कक्षा I और II की पाठ्य पुस्तकों का विश्लेषण करके तैयार किया गया है।

पढ़ने की जाँच की सामग्री सभी भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।
www.asercentre.org देखें, ई-मेल: contact@asercentre.org

कक्षा I स्तर का पाठ

बग़ीचे में एक पेड़ है।
पेड़ पर एक तोता रहता है।
तोते का रंग हरा है।
वह लाल टमाटर खाता है।

अक्षर

ल प स
क ग
ड ब म
ट झ

सामान्य आसान शब्द

लाल दूध
पैर
तेल किला
मोर
जूता मौका

अक्षर/शब्द के लिए: बच्चे से कोई 5 पढ़ने को कहें, कम से कम 4 सही होने चाहिए।

मुख्य निर्देश: रीडिंग स्तर के टूल को निर्मित करने का श्रेय "असर" को जाता है।

पहला सप्ताह गतिविधियां			दूसरा सप्ताह गतिविधियां			तीसरा सप्ताह गतिविधियां			चौथा सप्ताह गतिविधियां		
सवाल 1 - आपने बच्चे के साथ गतिविधि की ? सवाल 2 - बच्चे के साथ गतिविधि करने में कोई परेशानी हुई ? [नीचे दिए डिब्बे में सवालों का ज़वाब हाँ (✓) या नहीं (✗) में भरें]			सवाल 1 - आपने बच्चे के साथ गतिविधि की ? सवाल 2 बच्चे के साथ गतिविधि करने में कोई परेशानी हुई ? [नीचे दिए डिब्बे में सवालों का ज़वाब हाँ (✓) या नहीं (✗) में भरें]			सवाल 1- आपने बच्चे के साथ गतिविधि की ? सवाल 2 - बच्चे के साथ गतिविधि करने में कोई परेशानी हुई ? [नीचे दिए डिब्बे में सवालों का ज़वाब हाँ (✓) या नहीं (✗) में भरें]			सवाल 1 - आपने बच्चे के साथ गतिविधि की ? सवाल 2 -बच्चे के साथ गतिविधि करने में कोई परेशानी हुई ? [नीचे दिए डिब्बे में सवालों का ज़वाब हाँ (✓) या नहीं (✗) में भरें]		
गतिविधि	सवाल 1	सवाल 2	गतिविधि	सवाल 1	सवाल 2	गतिविधि	सवाल 1	सवाल 2	गतिविधि	सवाल 1	सवाल 2
बारिश में खेले जा सकने वाले कम-से-कम 10 खेल बच्चों से पूछें।			बच्चों के साथ मिलकर सोचें कि बारिश में कितना पानी बरसता है और वह सब पानी कहाँ-कहाँ जाता होगा ?			बच्चों के साथ मिलकर सोचें कि कागज़, बर्तन, पत्ते, जूते, और दांत को किससे साफ़ करोगे ।			रिक्शा, बस, रेलगाड़ी, बैलगाड़ी, सायकिल, ऊँट, स्कूटर, भैंस में से तुमने किस पर सवारी की है? 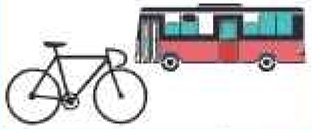		
बच्चे के साथ मिलकर सोचिए - खूब तेज़ बारिश में आपके घर के आसपास कैसा/क्या दिखाई देता है ?			बच्चों के साथ मिलकर सोचें कि लोग,कबूतर,केंचुआ, कुत्ता, मछली और मोर ये बारिश से बचने के लिए क्या करेंगे ? 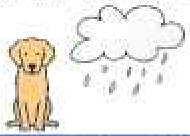			रुमाल को खूब रगड़ा तो वे फट गया । कागज़,बर्तन,जूते, स्वेटर,फ़र्श को खूब रगड़ें तो क्या होगा?			तुम अपनी दादी/नानी के घर, स्कूल, बाज़ार, पार्क आदि जगह किस सवारी से जाते हो ? 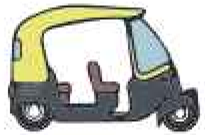		
बच्चे के साथ मिलकर ऐसी चीज़े सोचकर उनका चित्र बनाओ, जो बारिश के नाम से आपके मन में आती हैं ।			बच्चों के साथ मिलकर सोचें कि कौन-सी चीज़ हमें बारिश से बचाती हैं? उनमें से किसी एक चीज़ का चित्र बनाओ ।			बच्चे के साथ मिलकर कागज़ पर कपड़े का एक टुकड़ा चिपकाएं । 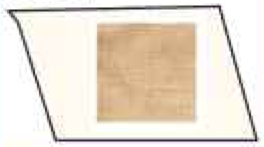			रिक्शा, बस, रेलगाड़ी, बैलगाड़ी, सायकिल, ऊँट, गोदी, भैंस में से किसकी सवारी के लिए पैसे लगेंगे । 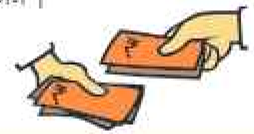		
माता-पिता का अभ्यास 1. माता-पिता बच्चों को डांटें नहीं।			**माता-पिता का अभ्यास** 1. माता-पिता सुनिश्चित करें कि बच्चों को घर में कोई नहीं डांटे ।			**माता-पिता का अभ्यास** 1. बच्चे को बोलने का मौका दें ।			**माता-पिता का अभ्यास** 1. बच्चे की बात ध्यान से सुनें ।		

मुख्य निर्देश (माता-पिता के लिए):
1. माता-पिता हर सप्ताह बताई गई गतिविधियां बच्चों के साथ करें और हर सप्ताह शीट में दिए सवालों के जवाब भरें।
2. माता-पिता बताए गए अभ्यास पर ज़रुर कार्य करें।

दिन	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
स्कूल बेग																														
किताब व् कापियां																														
स्कूल ड्रेस																														
पानी की बोतल																														
जूते																														

मुख्य निर्देश (माता-पिता के लिए): माता-पिता शीट में लिखी बच्चे की पढ़ाई से जुड़ी रोज़ की चीज़ें पढ़ें।

अगले 3 माह में सभी अभिभावक तक ये गतिविधि कार्ड पहुंचे व अभिभावक किसी एक गतिविधि पर काम करना शुरू कर दे उसके लिए आपकी SMC क्या करेगी - गतिविधि चुने

टीचर की सहायता से स्कूल स्तर पर माता-पिता की मीटिंग (Parent teacher meeting) करेंगे और माता-पिता को यह तीनों टूल्स समझाएंगे |इसी मीटिंग में माता-पिता को इन टूल्स की एक-एक फोटोकॉपी देंगे ताकि वे घर में बच्चों के साथ यह टूल्स इस्तेमाल कर सकें |

समुदाय स्तर पर माता-पिता के साथ मीटिंग करके माता-पिता को यह तीनों टूल्स समझाएंगे | इसी मीटिंग में माता-पिता को इन टूल्स की एक-एक फोटोकॉपी देंगे ताकि वे घर में बच्चों के साथ यह टूल्स इस्तेमाल कर सकें |

बच्चों को इन टूल्स की एक-एक फोटोकॉपी देंगे ताकि वे माता-पिता को यह टूल्स दें सकें और माता-पिता घर में बच्चों के साथ यह टूल्स इस्तेमाल कर सकें |

प्रिंसिपल से बात करके स्कूल में माता-पिता के लिए कार्यशाला रखेंगे | जहाँ टीचर इन टूल्स की फ़ायदे और इस्तेमाल करने का तरीका माता-पिता का समझाएंगे | इसी कार्यशाला में माता-पिता को टूल्स की एक-एक फोटोकॉपी भी देंगे ताकि वे बच्चों के साथ इस टूल को इस्तेमाल करें |

मुख्य निर्देश: दिए गए टूल्स को माता-पिता तक पहुंचाने के लिए 2 गतिविधियां चुने |

सर्वोदय कन्या विद्यालय, बानसूर की स्कूल प्रबंधन समिति (SMC) नियमित रुप से मीटिंग करती है और ज़्यादातर मीटिंग में समस्याओं के समाधान/हल सोचे जाते हैं | पर स्कूल से जुड़ी कई समस्याएं हैं जो बच्चे जानते हैं पर किसी को नहीं बताते | बच्चों का स्कूल से जुड़ी परेशानियां खुलकर नहीं बताने से बच्चों की पढ़ाई पर इसका असर पड़ रहा हैं | एक बार SMC की बच्चों के साथ एक मीटिंग के दौरान, बच्चों ने स्कूल से जुड़ी कुछ ऐसी ही समस्याएं SMC सदस्यों को बताई जिनके बारे में बच्चों ने पहले कभी अध्यापकों और विद्यालय प्रशासन को नहीं बताया था |

मिलकर चर्चा करें व् सोचें : SMC सदस्यों के रुप में

1.आप बच्चों के खुलकर स्कूल से जुड़ी समस्या/परेशानियां नहीं बताने की समस्या को कैसे हल करेंगे ?
2 परेशानियों को हल करने के लिए कैसे काम करेंगे ?

मुख्य निर्देश - दी गई समस्या को पढ़ें और सोचें की आपकी SMC टीम इस समस्या को कैसे हल करेगी ?

समस्या को समझना - (5 बार क्यों पूछना)

आइये जानते है कि कैसे बानसूर की SMC ने अपनी समस्या हल किया

SMC सदस्यों ने बच्चों की समस्या को समझने के लिए बच्चो के साथ बातचीत की |

बच्चो से समस्या का कारण जानने के लिए "5 बार क्यों" तकनीक का प्रयोग किया |

SMC सदस्य जानना चाहते थे बच्चे अपनी समस्याओं के बारे में विद्यालय के अधिकारियों से बात क्यों नहीं करते?

क्यों 1 **SMC सदस्य जानना चाहते थे कि बच्चे अपनी समस्याओं के बारे में विद्यालय के शिक्षकों से बात क्यों नहीं करते?**

क्योंकि हम शिक्षकों का सामना नहीं करना चाहते |

क्यों 2 **फिर उन्होंने पूछा कि बच्चे शिक्षकों का सामना क्यों नहीं करना चाहते?**

क्योंकि हम समस्या से जुड़े लोगों का नाम नहीं लेना चाहते |

क्यों 3 **शिक्षक के आगे समस्या से जुड़े लोगो का नाम क्यों नहीं लेना चाहते ?**

क्योंकि इससे हमारा नाम भी सामने आ जाएगा |

क्यों 4 **आप शिक्षकों के आगे अपना नाम क्यों नहीं लेना चाहते ?**

क्योंकि इससे सभी के साथ हमारे रिश्ते खराब हो जाएंगे |

मुख्य निर्देश: समस्या का मूल करण जानने के लिए ४-५ क्यों प्रशन पूछे जाएं |

समस्या पर टीम के साथ मिलकर बातचीत करना

बच्चों के साथ चर्चा करने के बाद SMC सदस्यों ने उनकी प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण किया और पाया कि बच्चे समस्या को साझा तो करना चाहते है पर उन्हें डर लगता है कभी उनका नाम सामने ना आ जाए | इससे सभी के साथ हमारे रिश्ते खराब न हो जाए |

समस्या को समझने के बाद SMC टीम ने समस्या को एक लाइन में लिखने या चित्र बनाने की कोशिश की ताकि सबको समस्या समझ आ सके और फिर उसे सुलझाने के उपायों/ समाधानों की लिस्ट बनाई |

संभावित समाधान की लिस्ट

- कक्षा में सी.सी.टी.वी. (CCTV) लगाना
- अध्यापकों की एक समिति बनाना
- अध्यापकों या स्टाफ को पत्र लिखना
- बिना नाम के प्रधानध्यापक को पत्र लिखना
- सुझाव पेटिका लगाना |

समाधान / उपाय सोचने के बाद SMC टीम ने - देखा कि लिस्ट में लिखे गए कौन- से उपाय ऐसे हैं जिन पर काम करके समस्या जल्दी हल हो जाएगी या फ़ायदा होगा और किन पर काम करके फ़ायदा नहीं होगा| जिस उपाय/समाधान से समस्या जल्दी हल हो सकती थी|SMC ने उस एक समाधान/ उपाय चुनकर उस पर काम करना शुरु किया |

उन्होंने बिना नाम के प्रधानाध्यापक को पत्र लिखने व स्कूल में सुझाव पेटिका लगाने का समाधान चुना क्योंकि इसमें बच्चे का नाम सामने नहीं आ रहा था |

मुख्य निर्देश: दी गई केस स्टडी को पढ़ें व चर्चा करें |

उपाय का क्रियान्वयन / समाधान पर कार्य करना

उपाय सोचने के बाद -

1. चुने गए तरीके पर कार्य करना और
2. यदि असफल हो तो फिर से संभावित समाधानों पर बातचीत कर कोई अन्य समाधान चुन कर उस पर कार्य करना |

"बिना नाम के प्रधानाध्यापक को पत्र लिखने" वाला समाधान काम करेगा या नहीं, यह जानने के लिए प्रधानाध्यापक ने प्रार्थना सभा में बताया बच्चे अपनी समस्या को अपने बिना नाम का प्रयोग किये एक कागज़ पर लिखकर मेरे पास भेज सकते हैं पर उन्होंने पाया फिर भी उनके पास समस्याएँ नहीं आ रही थी |

यह उपाय काम न करने पर एसएमसी ने"स्कूल में सुझाव पेटिका लगाने वाले समाधान पर कार्य करना शुरू कर दिया| उन्होने प्रार्थना सभा में बताया कि स्कूल के सभी बच्चे अपनी समस्या को बिना नाम का प्रयोग किये कागज़ पर लिखकर स्कूल में लगी सुझाव पेटिका में डाल दें|

SMC सदस्यों ने स्कूल के ऐसे स्थान पर सुझाव पेटिका लगाई जहां स्कूल के सभी बच्चे अपनी समस्या को लिखकर सुझाव पेटिका में डाल सके |

हर 15 दिन में एक बार SMC सदस्यों के सामने ये सुझाव पेटिका खोली जाती है| एसएमसी सदस्य अब बच्चों द्वारा सामना की जाने वाली सभी समस्याओं पर चर्चा करते हैं। प्रिंसिपल एसएमसी बैठक के बाद असेंबली में अज्ञात समस्याओं का समाधान देती है।

मुख्य निर्देश:दी गयी केस-स्टडी को पढ़े व् चर्चा करें |

समस्या समाधान/ समस्या को सुलझाने का फ्रेमवर्क/ तरीक़ा

समस्या को समझना (5 बार क्यों पूछना)

1

1. समस्या से जुड़े कारण जानना |

2. 5 बार 'क्यों - क्यों' कर सवाल पूछने वाले तरीक़े से समस्या के मुख्य कारण तक पहुंचना |

उदाहरण - बानसूर की SMC ने समस्या को समझने के लिए बच्चों बातचीत की, उनसे सवाल पूछकर उनके स्कूल से जुडी समस्याओं को नहीं बताने का कारण जाना |

विचार और प्रोटोटाइप (समस्या को सुलझाने के उपाय/समाधान सोचना)

2

1. समस्या के मुख्य कारण को लिखकर/ उसका चित्र बनाकर/बातचीत कर समस्या को परिभाषित करना या सबको समझ आ सके, इस तरह से लिखना |

2. समस्या लिख लेने के बाद अपने सहभागियों को बताना |

3. सदस्यों के साथ बातचीत कर समस्या को सुलझाने के अलग- अलग तरीके/ उपाय/ समाधान सोचना |

4. समस्या को सुलझाने के सोचे गए तरीकों में से सबसे ज़्यादा असरदार तरीके को काम करने के लिए चुनना |

उदाहरण - बानसूर SMC ने कई समाधानों/उपायों (कक्षा में सी.सी.टी.वी. (C.C.T.V) लगाना, अध्यापकों की एक समिति बनाना, अध्यापकों या स्टाफ को पत्र लिखना, बिना नाम के प्रधानध्यापक को पत्र लिखना, सुझाव पेटिका लगाना) की लिस्ट बनाई और उसमें से एक उपाय - बिना नाम के प्रधानध्यापक को पत्र लिखना व् सुझाव पेटिका चुना | क्योंकि इसमें बच्चे का नाम सामने नहीं आ रहा था इसलिए ये उपाय सबसे ज़्यादा असरदार और करने में आसान था |

समाधान/उपाय का क्रियान्वयन (चुने गए समाधान/उपाय पर कार्य करना)

3

1. चुने गए तरीके पर कार्य करना |

2. यदि चुना गया तरीका असफल हो तो फिर से संभावित समाधानों पर बातचीत कर कोई अन्य समाधान चुन कर उस पर कार्य करना |

उदाहरण - बानसूर की SMC ने पहले प्रधानाध्यापक द्वारा प्रार्थना सभा में बच्चों को बिना नाम के समस्या संबंधित पत्र लिखने को बोला | लेकिन यह उपाय काम न करने पर बानसूर SMC ने दूसरे उपाय - सुझाव पेटिका पर कार्य करना शुरु कर दिया |

मुख्य निर्देश: दिए गए तरीके से SMC के सदस्य भी अपने स्कूल या समुदाय की समस्या पर समझ बना सकते हैं और उसका समाधान भी निकाल सकते हैं|

मेरी SMC की योजना (2019-2020)

स्कूल का नाम - ....

स्कूल का कोड ....

सत्र का नाम	SMC क्या करेगी (सत्र के बाद चुनी हुई गतिविधियां लिखें)	कैसे करेगी	ज़िम्मेदार व्यक्ति	कार्य कब तक पूरा करेंगे
दिन 1 - सत्र 1 शिक्षा का अधिकार वर्कशीट - 1 (c) पेज न. 6	1. स्कूल में माता-पिता की मीटिंग (Parent teacher meeting) बुलाना | उस मीटिंग में (चार्ट पेपर पर लिखकर, बोलकर, पैम्फलेट बांटकर आदि) 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के बारे में बताना |	1. माता-पिता को मीटिंग दिन और समय बताएंगे | 2. मीटिंग में 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के बारे में बताने के लिए चार्ट पेपर प्रयोग करेंगे | 3.मीटिंग के दिन सभी को 'शिक्षा का अधिकार' (RTE) के मुख्य बिंदु बताएंगे और माता-पिता को बिंदु लिखने को भी कहेंगे |	प्रभात कुमार (टीचर) और मीना देवी SMC अभिभावक सदस्य मुकेश कुमार, सरिता देवी - SMC अभिभावक सदस्य	अप्रैल 2019
दिन 1 - सत्र 1 शिक्षा का अधिकार वर्कशीट - 1 (c) पेज न. 6				
दिन 1 - सत्र 2 "विद्यालय प्रबंधन समिति" के कार्य वर्कशीट - 2 (d) पेज न. 13				

मुख्य निर्देश: समस्या समाधान तरीके को ध्यान में रखते हुए चुनी हुई गतिविधियों पर कार्य योजना बनाए।

मेरी SMC की योजना (2019-2020)

स्कूल का नाम - .... स्कूल का कोड ....

सत्र का नाम	SMC क्या करेगी (सत्र के बाद चुनी हुई गतिविधियां लिखें)	कैसे करेगी	ज़िम्मेदार व्यक्ति	कार्य कब तक पूरा करेंगे
दिन 2 - सत्र 1 विद्यालय विकास योजना वर्कशीट - 3(d) पेज न. 22				
दिन 2 - सत्र 2 बच्चों की लर्निंग/ सीखने में माता-पिता की भागीदारी वर्कशीट - 4 (e) पेज न. 32				
हस्ताक्षर				

मुख्य निर्देश: समस्या समाधान तरीके को ध्यान में रखते हुए चुनी हुई गतिविधियों पर कार्य योजना बनाए|

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

Knowledge & Implementation Partner

Saajha